

## भारत का प्राकृतिक विभाजन

भारत को पाँच प्राकृतिक भागों में बाँटा जा सकता है -

- (A) उत्तर का पर्वतीय भाग (हिमालय)
- (B) उत्तर का विशाल मैदानी भाग (सिन्धु नदी + ब्रह्मपुत्र नदी)
- (C) प्रायद्वीपीय पठारी भाग
- (D) नदीय मैदानी भाग
- (E) भारत के द्वीप समूह

### (A) उत्तर का पर्वतीय भाग

→ भारत के उत्तर में विश्व का सबसे उँचा पर्वत हिमालय है। इसका निर्माण 'जॉर्डाना भूमि' के डूबने और 'उत्तर तथा पश्चिम' की ओर रिसकर के कारण हुआ है।

→ हिमालय का निर्माण '7 करोड़ वर्ष पूर्व टर्शियरी काल' में हुआ है।

→ पर्वत निर्माण के आधुनिक सिद्धांत के अनुसार -

(A) भूदृष्टि के नीचे दुर्बल मंडल में 'भूतम' के ऊपर हुए 'चापान/भूखंड' तैर रहे हैं। यही प्लेट कहलाता है।

(B) कुल प्लेटों की संख्या - '6 क्षीय प्लेट + 20 लघु प्लेट'।

→ ये 6 क्षीय प्लेटें हैं - 'यूरोपियन प्लेट, अफ्रीकन प्लेट, अफ्रीकन प्लेट, यूरेशियन प्लेट, भारतीय प्लेट (ऑस्ट्रेलियन प्लेट) तथा अंटार्कटिका प्लेट'।

→ टर्शियरी काल में भारतीय प्लेट के 'उत्तर की ओर'

रिस्क, यूरेशियन प्लेट से टकराने और टेक्सिस प्लेट  
के नाम अवस्था पर हवा बहने से हिमालय का  
निर्माण हुआ।

① हिमालय का निर्माण तीन चरणों में हुआ है →

① प्रथम चरण - यह चरण "आल्प नूतन युग" में  
समान हुआ। इस युग में "अल्पाइन बल" के कारण  
केंद्रीय हिमालय (MH) उपर उठा

② द्वितीय चरण - मध्य नूतन युग → इस काल में  
पाकिस्तान में अपभ्रष्ट "वातवार वेसि" में बसना  
पड़ा।

③ तृतीय चरण → इस "अभि नूतन युग"  
इस काल में हिमालय का नवीनतम भाग "शिवालिक  
श्रृंखला" का निर्माण हुआ।

⇒ हिमालय को विश्व के आकार तीन भागों में  
बाँटा जाता है -

① पश्चिमी हिमालय - यहाँ की श्रृंखला केंची-  
चोरी → "नंगा पर्वत"

② उत्तरी हिमालय - यहाँ की श्रृंखला चोरी-  
"माउण्ट एवरेस्ट"

③ पूर्वी हिमालय - सबसे छोटी चोरी "नामचाबावो श्रृंखला"

⇒ हिमालय की लम्बाई - 2400 km -

पश्चिम में सिन्धु गार्ज से लेकर पूर्व में ब्रह्मपुत्र  
गार्ज तक

⇒ हिमालय की अधिकतम चौड़ाई - 500 km  
काश्मीर में

न्यूनतम चौड़ाई - 200 km (अरुणाचल प्रदेश)

⇒ हिमालय का क्षेत्रफल - 5 लाख वर्ग कि. मी.

⇒ हिमालय के इलाके में विश्व के ताप का सर्वाधिक  
भाग पामीर है इस कथे जाता है - दुनिया का छत  
The Roof of the world.

\* 'लामीर', हिमालय डॉर मध्य एशिया कि संपी का जोड़ा है

⇒ हिमालय की दक्षिणी सीमा पर -- विमान में दानी भाग का वर्तमान क्षेत्र 1 MS L से 300 मीटर की ऊंचाई वाला भूभाग 'हिमालय डॉर वर्तमान क्षेत्र' का अलग करना है

→ धुँके भारतीय प्लेट 'उत्तर पूर्व' की ओर आती गी जमीन है और हिमालय की ऊंचाई लगातार बढ़ रही है।

\* भारत उत्तर की ओर बढ़ रहा है -- 5 cm प्रति वर्ष

⇒ हिमालय की उत्पत्ति की प्रक्रिया अभिनतक जारी है 'ग्रांडविन ऑस्टिन' के अनुसार 1 मिलियन वर्ष पूर्व हिमालय की औसत ऊंचाई -- 2440 मीटर

5500 मीटर \* हिमालय की वर्तमान औसत ऊंचाई -- 3050 m

→ हिमालय की दृष्टि दाल -- 5-10 cm प्रति वर्ष

→ हिमालय में स्तरीय दृष्टि दाल -- 'महाभारत श्रृंखला' में

→ हिमालय क्षेत्र में बारम्बार भूकम्प आते हैं और यह कि अभिनतक हिमालय में Isostatic Equilibrium (समस्थितिक संतुलन) स्थापित नहीं हुआ है और इसकी ऊंचाई बढ़ रही है।

⇒ हिमालय की तीनों संपी का निर्माण प्रलय-र काल में पुरा हुआ।

- (A) मध्य हिमालय -- का निर्माण 120 व 70 मिलियन वर्ष पूर्व
- (B) मध्य (लघु) हिमालय -- निर्माण -- 30-25 मिलियन वर्ष पूर्व
- (C) विवासीक श्रृंखला निर्माण -- 20-10 मिलियन वर्ष पूर्व

⇒ हिमालय के उत्तर में इससे भी प्राचीन पर्वत संपी हैं जो कहलाते हैं -- 'हॉन्स हिमालय'

\* हॉन्स हिमालय → वे पर्वत श्रृंखला हैं हिमालय से भी प्राचीन हैं

हिमालय के उत्तर में अवस्थित हैं, कहलाते हैं -- उत्तर हिमालय

⇒ धुँके ये पर्वत श्रृंखला तिलक के पक्ष में पश्चिमी भाग में पड़े हैं और कहलाते हैं -- 'विवासी हिमालय'

⇒ इस विभाग की लम्बाई - उत्तर से दक्षिण की ओर।

1000 km.

⇒ आरिच-ऊँचाई 3000 m. - उत्तम चोटी - 40 km  
 - (दोनों ओर दक्षिण की ओर पर)

⇒ आरिच-ऊँचाई - 225 km (दक्षिण की ओर)

⇒ इस विभाग में ही का उत्तर से दक्षिण की ओर  
 - का लम्बाई (काराकोरम, मकराण्ड, गाल्फ, पोरपांग)

⇒ काराकोरम श्रृंखला ⇒ इस विभाग का उत्तर से दक्षिण की ओर

काराकोरम श्रृंखला, भारत की आरिच-ऊँचाई तथा चीन की आरिच-ऊँचाई की तुलना है।

⇒ यह श्रृंखला पामीर से पूर्व की ओर 800 मीटर लम्बाई, 120-140 मीटर चौड़ाई

⇒ आरिच-ऊँचाई - 5500 मीटर से अधिक

→ इसकी तीन मुख्य चोटी हैं -

क) क२ - 8611 मीटर (विश्व की सबसे ऊँची चोटी)

⇒ इस क्षेत्र में विद्यमान गंगा - गंगोत्री के द्वारा गोखरी श्रृंखला चीन के द्वारा कवीगीर

क) गोखरी श्रृंखला - ऊँचाई - 8068 मीटर

⇒ इस क्षेत्र-चोटी (Hidden peak) कहा जाता है

क) Broad Peak - ऊँचाई - 8047 मीटर

⇒ काराकोरम श्रृंखला के उत्तर-पूर्व भाग में लद्दाख का पठार है इसकी आरिच-ऊँचाई - 5000 मीटर से अधिक

⇒ लद्दाख का पठार - भारत का सबसे ऊँचा पठार।

⇒ इस पठार पर कुछ मैदानी आरिच-ऊँचाई भाग

- लद्दाख का पठार -
- ✓ सडा मैदान
  - ✓ अम्साई - चीन
  - ✓ गिंजी नदी
  - ✓ देरपांग मैदान
  - ✓ चींग - चीन

